भारत सरकार

श्रम और रोजगार मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-2972

बुधवार, 21 मार्च,2018/30 फाल्गुन, 1939 (शक)

वेतनभोगी नौकरियों का सृजन

2972. श्री रीताब्रता बनर्जीः

क्या श्रम और रोज़गार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि गत तीन वर्षों में करोड़ों की संख्या में वेतनभोगी नौकरियों का सृजन हुआ है;

(ख) यदि हां, तो वर्ष-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

श्रम और रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री संतोष कुमार गंगवार)

(क) से (ग): वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग की वेतन अनुसंधान इकाई (पीआरयू) की रिपोर्ट के अनुसार, बड़े मंत्रालयों/विभागों (संघ राज्य क्षेत्रों को छोड़कर) में वर्ष 2014, 2015 और 2016 में केंद्रीय सरकार के सिविल नियमित कर्मचारियों की अनुमानित संख्या नीचे दी गई हैः

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| वर्ष  (1 मार्च की स्थिति) | **2014** | **2015** | **2016** |
| कर्मचारी  (लाख में) | **32.24** | **32.29** | **32.21** |

भारी उद्योग और सरकारी उद्यम मंत्रालय के सरकारी उद्यम सर्वेक्षण 2015-16 के अनुसार, केंद्रीय सरकारी उद्यमों में वर्ष 2013-14, 2014-15 और 2015-16 में कर्मचारियों की संख्या क्रमशः 13.49 लाख, 12.91 लाख और 12.32 लाख थी।

सरकारी क्षेत्र के अलावा, वेतनभोगी नौकरियां अन्य क्षेत्रों में भी हैं। तथापि, केवल सरकारी क्षेत्रों में वेतनभोगी नौकरियों के आंकड़े केंद्रीय रूप से रखे जा रहे हैं।

\*\*\*\*